हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

11 गुर्जर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थी को आईएएस...

12 बार-बार बरसात होने से आम जनजीवन...

3000 लाभार्थियों को थमाए रिकवरी नोटिस

किसान सम्मान निधि योजना का अनुचित लाभ लेने की शिकायतों पर विभाग सख्त

- जिले में 1.05 लाख किसान सम्मान निधि पोर्टल पर पंजीकृत केवाईसी के अभाव में 20 हजार किसानों की राशि अटकी, फर्जीवाड़े की जांच में जुटा विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭निजामपुर

कृषि संबंधी सुविधाओं की पूर्ति के लिए सरकार ने किसान सम्मान निधि योजना क्रियांवित की है। योजना के मुताबिक साल में दो बार पंजीकृत जमीन मालिक किसानों के बैंक खातों में भारत सरकार रूपये डालती है। आर्थिक लालच बढ़ने पर पति व पत्नि ने रिकार्ड में जमीन का बंटवारा करके किसान सम्मान निधि का लाभ लेना आरंभ कर दिया। इसके अलावा आयकरदाता व नौकरीपेशा वाले किसानों ने भी पंजीकरण करवा लिया। फर्जीवाड़े की भनक लगने पर विभाग ने गांव वाइज जांच पड़ताल की तथा करीब तीन हजार लाभार्थियों को रिकवरी के नोटिस थमा दिए।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 2019 में छोटे किसानों को बिना रिकवरी वाली आर्थिक सहायता (किसान सम्मान निधि) योजना चलाई थी। योजना में जमीन की लिमिट निर्धारित नहीं की, केवल किसान के नाम जमीन होनी चाहिए। इंतकाल, जमाबंदी, बैंक अकाउंट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इसके बाद पंजीकृत किसान को साल में तीन बार दो-दो हजार रुपयों की किस्त उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके पीछे सरकार ने तर्क दिया कि किसानों को फसलों की सिंचाई, खाद, कीटनाशक दवाइयों का प्रबंध करना होता है। आर्थिक तंगी के चलते छोटे किसानों को फसलों की देखरेख करने में परेशानी होती है। उनके लिए किसान सम्मान निधि योजना राहत देने वाली साबित होगी। लेकिन जमीन की लिमिट निर्धारित नहीं होने पर कई किसानों ने जमीन का कुछ भू-भाग पत्नि के नाम करवा दिया और इंतकाल कॉपी पोर्टल पर अपलोड करके पत्नि के नाम से भी लाभ लेना शुरू कर दिया।

योजना में कई आयकरदाता व नौकरीपेशा वाले किसान भी शामिल हो गए, जिनका पंजीकरण मापदंडों पर खरे नहीं हैं। शिकायत मिलने पर विभाग ने बीते महीने ब्लॉक स्तर पर लाभार्थियों की फिजिकल वैरीफिकेशन करवाई जिसमें फर्जीवाड़ा होने की पुष्टि हुई है। नांगल चौधरी ब्लॉक में करीब तीन हजार किसान आयकरदाता तथा नौकरीपेशा वाले हैं जो सम्मान निधि का लाभा ले रहे हैं। 558 ऐसे किसानों की शिनाख्त हुई है जिनका संबंध पति-पत्नि का है और दोनों ही सम्मान निधि की किस्त वसूल रहे हैं।

रिपोर्ट मिलने के बाद विभाग ने अवैध पंजीकृत आयकरदाता किसानों को रिकवरी के नोटिस थमा दिए। पत्नि-पति दोनों किस्त लेने वालों की पहचान करके उनसे रिकवरी करना आरंभ कर दिया। जिससे अवैध रूप से पंजीकृत किसानों को गलत तरीके से वसूल किए रुपये लौटाने की चिंता सताने लगी है।

1.05 लाख किसान पंजीकृत, 85 हजार को मिल रही किसान निधि

विभागीय जानकारी के मुताबिक महेंद्रगढ़ जिले को कृषि विभाग ने छह ब्लॉकों में विभाजित किया है। सभी ब्लॉकों में मिलाकर 1.05 लाख किसान सम्मान निधि पोर्टल पर पंजीकृत हैं। जिनमें करीब 20 हजार किसानों ने अकाउंट की केवाईसी नहीं करवाई इसलिए उन्हें योजना से वंचित कर दिया। करीब 85 हजार को साल में तीन बार दो-दो हजार की किस्त मिल रही है। नांगल चौधरी ब्लॉक के 22 हजार किसान विभागीय पोर्टल पर पंजीकृत हैं।

अवैध पंजीकृत किसानों से सम्मान निधि की राशि वसूलेगा विभाग

कृषि विभाग के बीएओ डॉ हरीश यादव ने बताया कि अवैध रूप से पंजीकृत पति-पत्नि से सम्मान निधि की करीब सात लाख राशि वसूली गई है। आयकरदाता व नौकरीपेशा से जुड़े कई किसानों ने प्राप्त की गई राशि जमा करवा दी। जिन्होंने जमा नहीं कराई उन्हें दोबारा से नोटिस थमाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ब्लॉक में 588 पति-पत्नि और करीब तीन हजार आयकरदाता किसान चिन्हित किए गए हैं। पीपीपी की मदद से लाभार्थियों की जांच कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से पूर्व सैनिक की मौत

नारनौल। निजामपुर रेलवे ओवरब्रिज के समीप पटरियों को पार करते वक्त ट्रेन की चपेट में आने से एक भूतपूर्व सैनिक की मौत हो गई। जीआरपी ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। करीब 59 वर्षीय शुभराम आर्मी से रिटायर्ड थे और वह गांव पवेरा में रह रहे थे। वे सुबह किसी काम से निजामपुर गए थे। जब काम निपटाने के बाद वापस घर लौट रहे थे, जब रेलवे ओवरब्रिज के समीप पटरियों को पार कर रहे थे। इस दौरान एक ट्रेन की चपेट में आ गए।

भगवान सूर्यनारायण के डोले की शोभा यात्रा कल

नारनौल। हर साल की तरफ शहर के मोहल्ला धौलियान स्थित भगवान श्री सूर्यनारायण मंदिर से जल झुलनी एकादशी तीन सितम्बर को डोले की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस संबंध में हितेंद्र बौहरा ने बताया कि यह शोभा यात्रा मंदिर से दोपहर तीन बजे आरम्भ होकर धौलिया की सिल्ली, बजाजा बाजार, गांधी बाजार, नया बाजार, किला रोड, आजाद चौक, गर्ल्स स्कूल के सामने से होती हुई शोभा सागर तालाब पर शाम सात बजे पहुंचेगी।

इकबालपुर नंगली में शोभायात्रा 4 को

नांगल चौधरी। इकबालपुर नंगली के ठाकूर जी मंदिर में 4 सितंबर को भंडारा एवं शोभा यात्रा कार्यक्रम होगा। जिसमें अलवर के गायक कलाकार भजनोपदेश करेंगे, इस दौरान ग्रामीणों को नशाखोरी रोकने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक अमर सिंह मेहरानिया ने बताया कि 4 सितंबर की सुबह 7 बजे गांव में ठाकूर महाराज की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। 9.15 बजे हवन में आहूति डालकर विश्व कल्याण की मन्नतें मांगी जाएंगी, इसके बाद 10 बजे से प्रसाद वितरण शुरू किया जाएगा। रात्रि को 9 बजे से जागरण होगा जिसमें आरके म्यूजिकल ग्रुप अलवर के कलाकार प्रस्तुति देंगे।

बाजरे में खाद डालने से जैविकता होगी प्रभावित, पैदावार बढ़ने की संभावना

जिले में पहली बार बाजरे की फसल में जमकर हुआ यूरिया खाद का उपयोग

- किसानों ने मानसून सीजन की खरीफ फसल बाजरे की अधिक पैदावार लेने के लिए किया यूरिया का उपयोग

राजकुमार ⏭नारनौल

जिले में पहली बार बड़े पैमाने पर बाजरे की फसल में यूरिया खाद का उपयोग हुआ है। पहले किसान बरसात की इस फसल में यूरिया नहीं डालते थे। इससे पहले बाजरा एकदम जैविक उत्पन्न होता था, लेकिन इस बार अधिक पैदावार के चक्कर में किसानों ने निरंतर बरसात होने के बावजूद बाजरे के खेतों में यूरिया बिखेरा है।

गौर हो कि जिला महेंद्रगढ़ कृषि प्रधान जिला है तथा इसकी अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर करती है। यहां की भौगोलिक एवं पर्यावरणीय परिस्थितियां पड़ोसी राजस्थान से मिलती-जुलती होने के कारण जिले में साल में किसान रबी एवं खरीफ की फसलें लेते हैं। रबी जहां नकद आमदनी वाली फसल मानी जाती है, वहीं खरीफ फसल को पशुओं की फसल माना जाता है। खरीफ के दौरान जिले के किसान बाजरा एवं ग्वार की फसलें अधिक लेते हैं। खरीफ सीजन की फसलें पूरी तरह से बरसात पर निर्भर रहती हैं, क्योंकि यह फसल जून के अंतिम दिनों में बिजाई की जाती है और जब तक बरसात का सीजन चलता है, तब तक खरीफ की मुख्य फसल बाजरा पककर तैयार हो जाता है। इस बार जिले के किसानों ने 193535 हेक्टेयर में बाजरा फसल की बिजाई की हुई है। शेष में ग्वार एवं कपास बोया हुआ है।

बाजरा है बरसाती फसल

बाजरे को बरसाती फसल माना गया है, क्योंकि जितना समय इसे बौने एवं काटने में लगता है, उतने ही समय अक्सर मानसून सीजन की बरसात चलती रहती है। बरसात को फसलों के लिए अमृत माना जाता है। इस कारण पहले किसान खरीफ सीजन यानि बाजरा की फसल में यूरिया खाद का उपयोग नहीं करते थे। क्योंकि यूरिया में जो गुणवत्ता होती है, जैसे नाइट्रोजन एवं फासफोरस, वही तत्व बरसात के पानी में मौजूद होते हैं और किसानों को बिना पैसा खर्च किए और बिना मेहनत किए यह वरदान के रूप में बरसात के तौर पर मुफ्त में मिल जाते हैं।

नारनौल। खेत में खड़ी बाजरे की फसल व यूरिया खरीदकर बैठी महिलाएं। (फाइल फोटो)

नारनौल। मंडी में यूरिया के सोसायटी कार्यालय पर लगी किसानों की भीड़। (फाइल फोटो)

इस बार बदलता दिखा माहौल

खरीफ सीजन के दौरान पहले किसान यूरिया के लिए कभी मारे-मारे नहीं फिरते देखे गए, लेकिन अबकी बार पहली बार किसानों में यूरिया के लिए जबरदस्त मारामारी देखने को मिली है। किसान यूरिया के लिए न केवल मंडियों में भटकते देखे गए, बल्कि यूरिया के सरकारी बिक्री केंद्रों पैक्सों एवं सोसायटी के दफ्तरों में इनकी भीड़ देखने को मिली। मारामारी का ही आलम रहा कि पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी यूरिया लेने पहुंची। यह वैसी ही स्थिति रही, जैसी रबी सीजन के दौरान सरसों एवं गेहूं की फसल के दौरान रहती है। जिले में पहली बार बाजरे में यूरिया डालने के लिए किसान भटकते देखे गए।

पोल खोल रहे यूरिया बिक्री के आंकड़े

जिले में यूं तो खाद बिक्री के अनेक केंद्र हैं, लेकिन नारनौल की अनाज मंडी में बने मार्केट सोसायटी के कार्यालय में खाद लेने के लिए सर्वाधिक किसान पहुंचते हैं। इस बार खरीफ सीजन के दौरान इस खाद बिक्री केंद्र पर 6522 बैग यूरिया बिका है। जबकि इससे पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2019-20 में खरीफ के दौरान यूरिया की बिक्री शून्य थी। वर्ष 2020-21 में भी शून्य, वर्ष 2021-22 में केवल 61 बैग, वर्ष 2022-23 में 1623 बैग, वर्ष 2023-24 में 560 बैग, वर्ष 2024-25 में शून्य तथा वर्ष 2025-26 में 6522 बैग यूरिया खरीफ सीजन के दौरान बेचा गया है, जो अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। यह आंकड़े खरीफ के दौरान यूरिया के उपयोग की स्वतः पोल खोलते हैं। एक यूरिया बैग 45 किलोग्राम का आता है, जिसकी वर्तमान में कीमत एक बैग 266 रुपये 50 पैसे रखी गई है।

यह बोले कृषि अधिकारी: कृषि अधिकारी डा. हरपाल सिंह यादव ने बताया कि यह ठीक बात है कि पहले किसान खरीफ में यूरिया का या तो इस्तेमाल नहीं करते थे, या फिर बहुत कम मात्रा में यूरिया उपयोग करते थे, लेकिन अबकी बार उनमें बदलाव देखने को मिला है। उनमें उत्पादन बढ़ाने को लेकर जागरूकता बढ़ी है, जिस कारण पहली बार खरीफ के दौरान यूरिया की बिक्री एकदम से बढ़ी है। यहां गौर करना होगा कि बाजरे की फसल में भी यूरिया ही नहीं, डीएपी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके पैरामीटर बने हुए हैं। बाजरे की बिजाई से पहले किसान खेत में डीएपी डाल सकते हैं। बाद में बरसात होने पर यूरिया भी डाल सकते हैं। इससे उत्पादकता बढ़ेगी। हां, इतना जरूर है कि यूरिया के इस्तेमाल से बाजरे की जैविकता जरूर प्रभावित होगी। क्योंकि पहले किसान गोबर खाद, केंचुआ खाद, ढेंचा एवं हरी खाद का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अबकी बार बदलाव आया है और बाजरे में यूरिया डाला गया है।

अवैध कब्जाधारियों से सख्ती से निपटेगा प्रशासनः एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

- शहर तथा गांवों में अवैध कब्जों पर अतिशीघ्र चलेगा पीला पंजा
- कनीना खंड के गांवों में 44 तथा सिहमा विकास खंड के गांवों में तीन स्थानों पर इसी सप्ताह होगी प्रशासनिक कार्रवाई

अवैध कब्जों तथा अतिक्रमण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध कब्जों को नेस्तनाबूद करने के लिए पीले पंजे के साथ अतिशीघ्र अभियान चलाया जाएगा। ये बातें कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कनीना नगरपालिका क्षेत्र के अलावा कनीना खंड के गांवों में 44 तथा सिहमा विकास खंड के गांवों में तीन स्थानों पर शीघ्र ही कब्जा कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अवैध कब्जों को लेकर सक्षम न्यायालय में विचाराधीन सात-वीसीएल के करीब तीन दर्जन भर केसों का निपटारा होने के बाद कब्जा कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। उन्होंने नागरिकों को अवैध कब्जे न करने की चेतावनी भी दी है। कब्जा करने वाले नागरिकों से जल्द ही रक्बा खाली कराया जाएगा। इसके लिए अवैध कब्जा हटाओ दस्ते का गठन किया गया है जो पुलिस बल की मदद से तमाम लाव-लश्कर के साथ मौके पर जाएगा और अवैध कब्जों को नेस्तनाबूद करने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जाधारियों को तीन दिन का समय दिया गया है इस अवधि के अंदर स्वयं कब्जा हटा सकते हैं अन्यथा दस्ते द्वारा कार्रवाई की जाएगी। इधर प्रशासन के सख्त रुख अपनाने के कारण कब्जाधारियों में खलबली मच गई है।

सीढ़ी से गिरकर 30 वर्षीय प्रवासी मजदूर की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

- पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा करवा कर परिजनों को सौंपा
- कनीना में रहकर मेहनत-मजदूरी का कार्य कर रहा था मृतक

कनीना में पिछले समय से रह रहे 30 वर्षीय एक प्रवासी मजदूर की गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर उसका पंचनामा करवा परिजनों को सौंप दिया। इस बारे में यूपी में रिसोली वासी प्रेमपाल ने कनीना शहर थाना को दी शिकायत में बताया कि उसका पुत्र तेज सिंह उर्फ शेर सिंह पिछले समय से कनीना में रहकर मेहनत-मजदूरी का कार्य कर रहा था। रविवार सायं वह सीढ़ी से गिर गया। जिसे चोटें आई थी। उसे उप नागरिक अस्पताल कनीना में दाखिल कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि प्रेमपाल की शिकायत पर सोमवार को इत्तफाकिया कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा करवा कर परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आज 10 से 1 बजे तक बाधित रहेगी बिजली

संघर्ष समिति ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सतनाली मंडी। 132 केवी पावर हाउस सतनाली एवं इससे संबद्ध 33 केवी पावर हाउस बारड़ा, बास सतनाली, श्यामपुरा, नावां एवं सुरेहती जाखल पावर हाउस से चलने वाले सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति मंगलवार को बाधित रहेगी। निगम के एसडीओ सतनाली हनुमान सिंह ने कहा कि मंगलवार को एसएससी इंजिनियर महेंद्रगढ़ 220 केवी सब स्टेशन में रिपेयर मेंटेनेंस व कंट्रोल रिले पैनल आदि बदलने का कार्य किया जाएगा जिसके कारण 132 केवी सब स्टेशन सतनाली एवं इससे संबद्ध पावर हाउस से संबद्ध सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति सुबह 10 से दोपहर एक बजे अथवा कार्य पूर्ण होने तक बाधित रहेगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

खैरानी की बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर लापता बेटी की दादी व मां ने प्रदेश सरकार से लघु सचिवालय की चौखट पर एसडीएम के समक्ष गुहार लगाई तथा एसडीएम को सीएम के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने के लिए सैंकड़ों ग्रामीण आए हुए थे। ग्रामीणों का नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर सुबेसिंह ने किया।

गौर हो कि खैरानी की बेटी को न्याय दिलाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर गांव खैरानी के सैकड़ों ग्रामीणों महिला व पुरुष आज लघु सचिवालय पार्क में एकत्रित हुए तथा बेटी को तुरंत दोषियान से बरामद कर परिवार को सौंपे जाने को लेकर सभा हुई। सभा पश्चात जुलूस के साथ लघु सचिवालय में अटेली पुलिस के खिलाफ आक्रोश जाहिर करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्राम पंचायत सरपंच खैरानी बजरंग सिंह, लड़की की दादी प्रेम देवी व मां बाला देवी, सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर सुबेसिंह, सूबेदार मेजर महीपाल सिंह, रामनिवास पंच, जयसिंह नम्बरदार, महेन्द्र सिंह चौहान, मैना देवी, राजो देवी, संजू देवी आदि ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपमंडल अधिकारी नागिरक को सौंपा।

- खैरानी की बेटी की बरामदगी व दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

खैरानी की नाबालिग लड़की की 80 वर्षीय दादी प्रेम देवी व मां विधवा बाला देवी लड़खड़ाते हुए लघु सचिवालय की चौखट पर पहुंची और बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई। जिस पर सभी उपस्थित लोगों का मन मां की भावनाओं, दादी की दुलारी पोती और मां की कलेजे की कोर बेटी को याद कर द्रवित और भावुक हो गया।

ज्ञापन में बताया कि गत चार अगस्त को अटेली थाना के अन्तर्गत गांव खैरानी की नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर कर संदीप पुत्र कृष्ण गांव खोहर जिला कोटपूतली राजस्थान का भगाकर ले गया, जिसकी बरामदगी के लिए पीड़ित परिवार लड़की की मां बाला देवी पत्नी स्वर्गीय देवेन्द्र सिंह व परिवारजनों की ओर से उसी दिन अटेली थाना पुलिस को एफआईआर संख्या 0170 दर्ज करवाई और दोषियान की सभी जानकारी अटेली पुलिस थाना को दी, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। अटेली पुलिस ने एक सप्ताह का समय मांगकर लड़की बरामदगी का आश्वासन दिया था, लेकिन पुलिस लड़की को बरामद नहीं कर पाई और न

नारनौल। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

एसडीएम ने दिया आश्वासन

एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने लड़की की दादी व विधवा मां के साथ-साथ परिवारजनों व ग्रामीणों को भरोसा दिया कि लड़की को सकुशल बरामदगी हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। सभा को खैरानी के ग्राम पंचायत सरपंच बजरंग सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर सुबेसिंह, सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत, रोहतास शर्मा, जयसिंह नम्बरदार, सूबेदार मेजर महीपाल सिंह, रामनिवास पंच, महेन्द्र सिंह चौहान सहित गणमान्य लोगों ने सम्बोधित करते हुए लड़की की तत्काल बरामदगी की पुरजोर मांग की।

आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में पुतला फूंककर की नारेबाजी

राहुल गांधी व तेजस्वी यादव के विरुद्ध भाजपा का विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रेस्ट हाउस से महावीर चौक तक आक्रोश रैली निकाली और वहां दोनों नेताओं के पुतलों का दहन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'प्रधानमंत्री की मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' और 'राहुल गांधी-तेजस्वी यादव मुर्दाबाद' जैसे नारे लगाए।

यतेंद्र राव ने कहा कि पीएम मोदी की मां के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी केवल प्रधानमंत्री की मां का नहीं, बल्कि पूरे देश की मातृशक्ति का अपमान है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की दूषित मानसिकता को उजागर करता है। यतेंद्र राव ने मांग की कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को पूरे देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी की चुप्पी को उनकी सहमति करार दिया और कहा कि जब तक दोनों नेता माफी नहीं मांगते, भाजपा का राष्ट्रव्यापी विरोध जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन में भाजपा महिला मोर्चा की सदस्याओं और युवा मोर्चा ने भी वरिष्ठ वार्यकर्त्वों के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया और कहा कि यह टिप्पणी पूरे देश की महिलाओं का अपमान है, जिसके लिए इन नेताओं को समस्त नारी समाज से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं की एकजुटता और नेतृत्व के प्रति निष्ठा को प्रदर्शित किया। भाजपा जिला अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि किसी भी महिला पर की गई किसी भी टिप्पणी को व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा विषय माना जाएगा।

नारनौल। महावीर चौक पर राहुल गांधी व तेजस्वी यादव का पुतला फूंकते भाजपाई। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में जिला प्रभारी शंकर धूपड़, पूर्व मंत्री अभय सिंह यादव, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, अजीत कलवाड़ी, सीताराम यादव, जिला महामंत्री किशन बोहरा, योगेश शास्त्री, जिला उपाध्यक्ष पूरनचंद गोठड़ी, शिवरतन, जोगिंदर राजपूत, महिपाल यादव, वासु देव, जिला मंत्री मनीष संघी, रवि दत्त सरपंच, अर्चना ठाकुर, संदीप मालडा, सपना गुप्ता, मीडिया प्रमुख विकास अग्रवाल, आईटी प्रमुख आनंद मेहता, सोशल मीडिया प्रभारी भवानी शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष नरेंद्र यादव, पार्षद संजय अमन, परमेश्वर दयाल, धर्मेंद्र शर्मा, मनजीत यादव, मन की बात प्रमुख भवानी राजपूत, अरुणा कौशिक, सरोज बाला, कमलेश यादव, सरोज कश्यप, उषा, बाबू लाल, रामनिवास खेड़ी, सुरेश शर्मा, आशीष चौधरी, बेगराज सैनी, महेन्द्र गौड़, सतबीर गुज्जर, मंडल अध्यक्ष मनजीत, मनोज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विशेष
शिक्षक दिवस
5 सितंबर

हरिभूमि
सहेली
रोहतक, मंगलवार
2 सितंबर 2025

सबसे बड़ा शिक्षक है समय

समय अच्छा हो या बुरा, समयानुसार घर-परिवार का जीवन, प्रोफेशनल लाइफ के उतार-चढ़ाव, ये हमें ऐसे सबक सिखाते हैं कि शिक्षक भी क्या सिखाएंगे। हर समय-काल में हम जो भी करते हैं, देखते हैं, ये सब हमें व्यावहारिक जीवन का पाठ पढ़ाते हैं, जीवन जीने की कला सिखाते हैं। जीवन में इसकी सार्थकता, उपयोगिता को हर किसी को जरूर समझना चाहिए।

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

घड़ी की टिक-टिक के साथ जिंदगी में हर पल, हर दिन, सामने आने वाले उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख और सफलता-असफलता से जुड़े कई बदलाव। यानी, साथ चलने वाला टाइम जो सिखाता है, वो कोई नहीं सिखा सकता। पीड़ा का दौर हो या सुख का समय, अनगिनत सबक अपने साथ लाता है। यह हमसे जुड़े हालातों की ही नहीं, खुद हमारी हिम्मत और सूझ-बूझ की हकीकत से रूबरू करवा देता है। वक्त वाकई एक शिक्षक की तरह ही है, जो जीवन से जुड़े कितने ही फ्रंट्स पर एक नया नजरिया देता है। सीख और समझ के नए पाठ पढ़ाता है। कभी सजगता तो कभी सकारात्मकता के सबक देता है। जिंदगी का ऐसा कोई पहलू नहीं, जिससे जुड़ी सीख शिक्षकों से नहीं मिलती। कुछ इसी तरह समय भी जीवन के हर पक्ष पर कोई ना कोई सबक देता ही है, जरूरत इस बात की होती है कि वक्त के हर पड़ाव पर मिलने वाले अच्छे-बुरे सबक हम याद रखें।

सीखना एक सतत प्रक्रिया

'जब तक जीना तब तक सीखना, अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।' स्वामी विवेकानंद का यह कथन व्यावहारिक धरातल से जुड़ा सच है। सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती है। समय की धारा में जीवन के पड़ाव बदलते रहते हैं। परिस्थितियों में उतार-चढाव आते रहते हैं, पर जिंदगी का हर लम्हा कुछ ना कुछ समझाकर जाता है, कभी दुःख में कोई सीख हमारे हिस्से आती है तो कभी सुख कोई पाठ पढ़ा जाता है। जीवन के कठिन दौर में इंसान धैर्य और ठहराव का सबक सीखता है। वहीं सहजता और खुशियों को जीते हुए सहृदय और विनम्र बनने की सीख मिलती है। समझने वाली बात यह है कि दोनों ही हर तरह की परिस्थितियों के, एक सिक्के के दो पहलुओं की तरह जीवन में आती-जाती रहती हैं। कहते भी हैं कि समय एक जैसा कभी नहीं रहता, वक्त के साथ बहुत कुछ बदलता और नए रंग ढलता हुआ मानवीय जीवन का हिस्सा बना रहता है। जीवन की कक्षा में शिक्षक बन सबक सिखाने वाला समय कभी नहीं ठहरता, जिसके चलते जिंदगी में नए सबक पाने के मोर्चे पर भी कोई ठहराव आता है, यही बात जीवन को गतिशील बनाए रखती है।

वास्तविकता से परिचय

जिंदगी के हर फ्रंट पर वक्त इंसान को हकीकत से रूबरू करवाता है। अपने-पराए का भेद समझने की बात हो या खुद अपने अहंकार के बदले कुछ खो देने की स्थिति, समय गुरु बन हर परिस्थिति को स्पष्टता से समझा देता है। समय के साथ बनने-बिगड़ने वाले हालात ही इंसान को जीवन के हर सच से मिलवाते हैं, कहा भी जाता है कि वक्त किसी के लिए नहीं रुकता। इसीलिए समय से मिलने वाली शिक्षाएं, जीवन में प्राथमिकताएं तय करने का भाव भी लाती हैं। बीते पल लौटकर नहीं आते, यह समझ जिंदगी को खुलकर जीने की सोच को बल देती है। समय-समय पर हुई गलतियां इंसान में गैर-जरूरी चीजों के पीछे भागते रहने के बजाय, सुकून के साथ जीने का जज्बा पैदा करती हैं। इतना ही नहीं, हकीकत के धरातल पर वक्त ही रिश्तों के कच्चे-पक्के रंगों से भी मिलवाता हैं। हकीकत का सामना करवाने वाला समय का फेर हमें जीवन के ही नहीं, मन के मोर्चे पर भी बदल देता है। समय इंसानी समझ के पहलू को संवारता है। तालमेल की सीख देता है। जैसे शिक्षकों की भूमिका सोच को दिशा देने में अहम होती ही है, व्यावहारिक समझ को बेहतर बनाने में भी उनका अमूल्य योगदान होता है, वैसे ही समय का पाठ समय ही पढ़ाता है।

हर पीड़ा का मरहम

वक्त हर पीड़ा का मरहम होता है। समय ही यह सिखाता है कि जीवन का हर दौर गुजर जाता है, इसीलिए धैर्य और दृढ़ता का गुण हम टाइम टीचर से ही सीखते हैं। समय हमारे भीतर यह भरोसा जगाता है कि मन की टूटन हो, रिश्तों का अलगाव हो या काम-काजी जिंदगी के फ्रंट पर कोई उलझाव-बिखराव, एक दिन सब ठीक हो जाता है। बस खुद को थामे रहने की दरकार होती है। कोई नेगेटिव कदम उठाने से दूर, वक्त दुख-दर्द झेलते हुए धैर्य रखना सिखाता है। समय कभी बदलाव को स्वीकार आगे बढ़ना तो कभी हालातों का डटकर सामना करने का पाठ पढ़ाता है। कहते हैं कि समय के फेर के आगे इंसान कुछ नहीं कर सकता है। हां, इस फेर में 'टाइम टीचर' से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। सच तो यह है कि इंसान किसी पुस्तक में पढ़े पाठ को भूल सकता है पर समय के उतार-चढावों से मिले किसी भी सबक को भुला पाना मुश्किल होता है। लाजिमी भी है, क्योंकि समय ऐसे सबक कठिन परीक्षा लेकर देता है। अनमोल कहा जाने वाला समय, जीवन के बहुत से पहलुओं पर वाकई अमूल्य सीख दे जाता है।

ऑफिस में ऐसे बनेगी अच्छी इमेज

हर वर्किंग वूमेन वर्क प्लेस पर अपनी अच्छी इमेज बनाए रखना चाहती है। यह प्रोफेशनल प्रोग्रेस के लिए जरूरी भी है। अगर आप कुछ बातों का ध्यान रखेंगी तो आपकी वर्क प्लेस इमेज बहुत बेहतर रहेगी, कुलीग्स ही नहीं, बॉस भी आपको एप्रिसिएट करेंगे।

वर्किंग वूमेन
प्रतिभा अग्निहोत्री

अकसर देखा जाता है, एक ही ऑफिस में कुछ महिलाएं अपने वर्क प्लेस पर बहुत अच्छी इमेज बना लेती हैं, वहीं बाकी महिलाएं अधिक काम करके भी ऐसा नहीं कर पातीं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कुछ महिलाएं सिर्फ काम करती हैं तो कुछ काम को स्मार्टली और बेहतर ढंग से अंजाम देती हैं। आप भी जरूर अपने वर्क प्लेस पर अपनी इमेज को अच्छा बनाना चाहेंगी, तो इन बातों को ध्यान में रखें-

पंक्चुअल रहें: अकसर महिलाओं को लगता है कि पांच-दस मिनट ऑफिस लेट आने से क्या फर्क पड़ता है या कौन सा बॉस देख रहा है? आपकी यह सोच आपकी प्रोफेशनल इमेज को खराब करती है। एक बार खराब इमेज बन जाने पर उसे सुधारना काफी मुश्किल होता है। टाइम से दस मिनट पहले ऑफिस पहुंचने का नियम बनाएं, इससे आपके सीनियर्स को लगता है कि आप अपने काम के प्रति काफी सीरियस हैं।

विनम्र-व्यवहार कुशल बनें

कोई भी गलती हो जाने पर उसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करके सुधारने का प्रयास आपकी प्रोफेशनल लाइफ को बेहतर बनाएगा। अपने सहकर्मियों के साथ भी अपने व्यवहार को लचीला और सुमधुर रखें। इससे ऑफिस में आपकी छवि अच्छी रहेगी।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें: अकसर वर्किंग वूमेन, किसी भी नए काम को करने या एक्सपेरिमेंट करने से बचती हैं, वे बने-बनाए ढर्रे पर चलना पसंद करती हैं। ऐसा करने के बजाय आप अपनी तरफ से इनोवेटिव प्रयास करें, अपने काम में अपनी क्रिएटिविटी को जोड़ें। इस तरह काम करने से ऑफिस में आपकी एक अलग छवि बनेगी, जो आपकी प्रोफेशनल लाइफ की इमेज को बेहतर बनाएगी।

वीकनेस पर वर्क करें: अनामिका का अपने प्रोजेक्ट पर आइडिएशन बहुत अच्छा था, लेकिन उसका एग्जीक्यूशन उतना ही कमजोर था, जिससे अकसर उसका आइडिया भी फ्लॉप हो जाया करता था। ऐसा आपके साथ ना हो इसके लिए यह समझना होगा कि कमियां हर इंसान के काम में हो सकती हैं, लेकिन जरूरी है कि अपनी उन कमियों को पहचानें, उन्हें दूर करें। वर्कप्लेस में अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें जल्दी से जल्दी दूर करने का प्रयास करें, इससे आपकी छवि बेहतर बनेगी।

समय सीमा का ध्यान रखें: हर काम की एक निश्चित समय सीमा होती है। बेहतर है कि आप अपने हर ऑफिसियल कार्य को समय सीमा में ही समाप्त करें, इससे आपका कार्य समय पर समाप्त होगा ही, साथ ही बॉस की नजरों में आपकी इमेज भी बहुत अच्छी रहेगी।

व्यवस्थित रहें: अपने काम पर हमेशा फोकस्ड रहें, साथ ही व्यवस्थित भी रहें। अपनी डेस्क, कबर्ड और फाइल्स को हमेशा व्यवस्थित रखें ताकि जरूरत पड़ने पर आप इन्हें जल्दी से निकाल सकें या फिर आपकी अनुपस्थिति में कोई दूसरा भी आवश्यकतानुसार इनका उपयोग कर सके।

मेडिकल एडवाइस
डॉ. धीरज कपूर
एचओडी-एंडोक्राइनोलॉजी
आर्टिमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम

थायरॉइड जानें लक्षण-कराएं उपचार

हाल के वर्षों में बहुत सी महिलाएं थायरॉइड की समस्या से ग्रसित हो रही हैं। क्या हैं इस रोग के कारण, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें, इससे बचाव और उपचार के बारे में डिटेल में जानिए।

हमारे शरीर में थायरॉइड नामक एंडोक्राइन ग्लैंड, गले के निचले हिस्से में स्थित होता है। इस ग्लैंड से खास तरह के हार्मोन टी-3 और टी-4 का स्राव होता है, जो शरीर की अनेक कोशिकाओं को सही ढंग से काम करने में मदद करते हैं। मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में भी इन दोनों हार्मोंस का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इनकी कमी या अधिकता से भूख, नींद, वजन, शारीरिक वृद्धि और मनोदशा प्रभावित होती है।

रोग के कारण : जब थायरॉइड ग्लैंड से निकलने वाले हार्मोन में असंतुलन हो जाता है तो व्यक्ति इससे संबंधित रोग से ग्रसित हो जाता है। इसके अलावा आनुवांशिकता, जन्मजात रूप से ग्लैंड की संरचना में कोई गड़बड़ी, एंटीबायोटिक्स या स्टेरॉयड दवाओं के साइड इफेक्ट से भी थायरॉइड ग्लैंड की कार्य क्षमता प्रभावित हो सकती है।

रोग के प्रकार: आमतौर पर इस समस्या के दो रूप देखने को मिलते हैं, पहले प्रकार की समस्या को हाइपोथायरॉइडिज्म कहा जाता है। इसमें थायरॉइड ग्लैंड धीमी गति से काम करता है। इसकी वजह से शरीर के लिए आवश्यक हार्मोन टी-3 और टी-4 बहुत सीमित मात्रा में यानी जरूरत से कम मात्रा में बनता है। इससे टीएसएच हॉर्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जो ग्लैंड को अधिक मात्रा में हार्मोन बनाने के लिए उत्प्रेरित करता है। दूसरी अवस्था को हाइपरथायरॉइडिज्म कहते हैं। इसमें टी-3 और टी-4 हार्मोंस अधिक मात्रा में बनने लगता है, इससे टीएसएच यानी थायरॉइड स्टिम्युलेटिंग हार्मोन का निर्माण सीमित मात्रा में होने लगता है। रिसर्च से यह तथ्य सामने आया है कि अधिकतर लोगों में हाइपो थायरॉइडिज्म यानी हार्मोन का स्तर घटने की समस्या देखने को मिलती है। हाइपरथायरॉइडिज्म यानी हार्मोन का स्तर बढ़ने की समस्या एक प्रतिशत लोगों में ही देखने को मिलती है।

प्रमुख लक्षण : इस रोग में अलग-अलग लक्षण दिख सकते हैं। हाइपोथायरॉइडिज्म में जहां वजन बढ़ना, कब्ज, बाल झड़ना, त्वचा में रूखापन, पीरियड्स में अनियमितता, थकान और सुस्ती जैसे लक्षण नजर आते हैं, वहीं हाइपरथायरॉइडिज्म में वजन घटना, लूज मोशन, बेचैनी, पीरियड्स में ज्यादा ब्लीडिंग, चिड़चिड़ापन और अनिद्रा जैसे लक्षण नजर आते हैं।

रोग के साइड इफेक्ट्स : थायरॉइड की समस्या के कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंसीव करने से पहले महिलाओं को थायरॉइड की जांच अवश्य करवा लेनी चाहिए। अगर कोई समस्या हो तो दवाओं के नियमित सेवन से उसे दूर करने के बाद ही पारिवारिक जीवन की शुरुआत करनी चाहिए। अन्यथा इसकी वजह से मिसकैरेज और शिशु में जन्मजात मानसिक दुर्बलता जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

प्रस्तुति: विनीता

बचाव और उपचार

अगर थायरॉइड रोग से संबंधित कोई भी लक्षण नजर आए तो इसकी जांच अवश्य कराएं। अगर हाइपोथायरॉइडिज्म समस्या हो तो रोजाना सुबह खाली पेट दवाओं का सेवन जरूर करें। अगर हाइपरथायरॉइडिज्म हो, तो खाली पेट दवा लेना जरूरी नहीं है, आप किसी भी वक्त दवा ले सकती हैं। हर छह महीने के अंतराल पर नियमित जांच जरूरी है। इससे बचाव के लिए अपनी डाइट में सोयाबीन, बंदगोभी और ब्रॉक्ली से परहेज करें। नियमित जांच और दवाओं का सेवन ही इसका एकमात्र उपचार है। गंभीर स्थिति में आयोडीन थेरेपी भी दी जाती है। यह जीवनशैली से जुड़ी समस्या है, स्वस्थ आदतें अपना कर और दवाओं के नियमित सेवन से इसे आसानी से मैनेज किया जा सकता है।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

ड्राय बालों की ऐसे करें केयर

बहुत सी महिलाएं अपने रूखे और बेजान दिखने वाले बालों से परेशान रहती हैं। इनके उपचार के लिए सैलून जाती हैं या कॉस्मेटिक उत्पादों का सहारा लेती हैं, लेकिन इसके बावजूद अकसर समस्या का सही समाधान नहीं मिल पाता। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो कुछ बहुत ही आसान घरेलू तरीके से उपचार कर सकती हैं। कैसे, विस्तार से यहां बता रहे हैं आपको।

तेल और दही : आपकी रसोई में रखा सरसों का तेल और दही बालों के रूखेपन की समस्या को काफी हद तक दूर कर सकता है। इसके लिए कांच की कटोरी में दो चम्मच ताजा दही लें और उसमें एक चम्मच सरसों का तेल मिलाएं। दोनों को अच्छी तरह मिक्स करके एक चिकना पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को अपने सिर की त्वचा और बालों की लंबाई पर अच्छी तरह लगाएं ताकि यह बालों में समा जाए और आधे घंटे बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो डालें।

एलोवेरा जैल : ड्राय बालों को मॉयश्चराइज करने में एलोवेरा जैल मदद करता है। एलोवेरा जैल को सीधे बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें। एलोवेरा जैल को बालों पर सीधा लगाने के बजाय आप इसे दही के साथ मिक्स कर अपने बालों पर लगा सकती हैं। इसके लिए आप ताजे एलोवेरा जैल को एक कंटेनर में निकाल लें। फिर इसमें दो बड़े चम्मच दही मिक्स कर दें। अब इस मिश्रण को फेंट लें। इसे अपने बालों में 30 मिनट के लिए लगाकर रखें और बाद में बालों को माइल्ड शैंपू से धो डालें। इससे ड्राय बाल मॉयश्चराइज्ड हो जाएंगे।

नीबू और दही : बालों की रूसी से छुटकारा पाने के लिए दही और नीबू को साथ मिलाकर लगाया जा सकता है। आधा कप दही में कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाएं और बालों पर लगाकर आधे घंटे रखने के बाद धो लें। इससे सिर की खुजली भी कम हो जाती है।

बाल बनेंगे मुलायम : बालों को नम और मुलायम बनाने में नारियल तेल काफी फायदेमंद साबित होता है क्योंकि नारियल का तेल एक नेचुरल मॉयश्चराइजर है, जो बालों में प्रवेश करके उन्हें मुलायम बनाता है और बालों की जड़ों तक नमी पहुंचाता है। अच्छे परिणाम के लिए सप्ताह में एक बार गुनगुने नारियल तेल से बालों की जड़ों से लेकर सिरे तक मालिश करें और इसे आधे घंटे के लिए छोड़ दें ताकि नारियल तेल बालों में अच्छी तरह रच जाए, फिर माइल्ड शैंपू कर लें।

बहुत जरूरी है सस्टेनेबल लाइफस्टाइल

पॉली बैग्स को कहिए 'ना'

ना होने दें पानी की बर्बादी

सोलर एनर्जी का करें यूज

अवेयरनेस
बुशरा फातमा

जिंदगी की भाग-दौड़ में हम अपनी सुविधाओं और लापरवाही के लिए प्रकृति पर लगातार बोझ डाल रहे हैं। आए दिन होने वाली प्राकृतिक आपदाएं हमें आगाह कर रही हैं कि अगर हमने समय रहते प्राकृतिक संसाधनों को नहीं सहेजा तो भविष्य में छोटी-छोटी चीजों के लिए हम तरसेंगे। इसलिए हमें अपनी जीवनशैली में कई तरह के बदलाव लाने की जरूरत है, जो सस्टेनेबल हों, जिससे हमारी जरूरत और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे।

जरूरतों को नियंत्रित करें: कई बार हम ऐसी चीजें भी खरीद लेते हैं, जिसकी जरूरत शायद ही कभी हमें पड़े। चूंकि वो चीज हमें पसंद आ गई तो हम उसे खरीद लेते हैं। सस्टेनेबिलिटी का पहला कदम ही यही है कि जब जरूरत हो तभी सामान खरीदें।

प्लास्टिक का मिनिमम यूज करें: अपने दैनिक इस्तेमाल में जितना हो सके प्लास्टिक की जगह कांच, स्टील आदि का इस्तेमाल करें। प्लास्टिक न सिर्फ पर्यावरण के लिए नुकसानदेह होता है बल्कि इससे हमारे स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। किचेन में इस्तेमाल होने वाले सामानों के लिए प्लास्टिक का चुनाव बिल्कुल ना करें। बच्चों के लिए फैंसी प्लास्टिक बॉटल्स और टिफिन की जगह स्टील के टिफिन खरीदें। जब हम बाहर जाते हैं तो पानी की बोतल खरीद लेते हैं या चाय कॉफी के लिए प्लास्टिक के डिज्पोजेबल कप का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन अगर हमें अपनी धरती को बचाना है और अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना है तो पानी बोतल हमेशा घर से लेकर जाएं। कपड़े का बैग हमेशा साथ लेकर मार्केट के लिए निकलें ताकि प्लास्टिक बैग में सामान लेने की जरूरत न पड़े।

रोकें पानी की बर्बादी: यह बात हम सब जानते हैं कि साफ-मीठे पानी के प्राकृतिक स्रोत अब कम हो गए हैं, फिर भी हम पानी के अनावश्यक इस्तेमाल से खुद को रोक नहीं पाते। वर्षा जल का संरक्षण भी जरूरी है। इसके लिए किचेन के वेस्ट वाटर को गार्डनिंग में इस्तेमाल कर सकते हैं। वॉश बेसिन में ब्रश करते समय, बाथरूम में नहाते समय पानी बर्बाद होने से रोकें।

ऊर्जा की बचत है जरूरी: घर में ऐसे लाइट्स लगवाएं, जिसमें ऊर्जा की कम खपत हो। संभव हो तो सोलर एनर्जी का यूज किया जा सकता है।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए करवाएं फॉगिंग

महेंद्रगढ़। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मालड़ा बास में सोमवार को स्वास्थ्य कर्मचारियों की मासिक बैठक का आयोजन चिकित्सा अधिकारी डॉ. जीत शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। जिसका संचालन स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. जीत शर्मा ने उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को डेंगू व मलेरिया की रोकथाम व मच्छरों के खात्मे के लिए फॉगिंग करवाने के निर्देश दिए। अपने अपने क्षेत्रों में एंटी लार्वा एक्टिविटी करें तथा ग्राम पंचायतों के सहयोग से फॉगिंग करवाएं। बैठक में उपस्थित सभी कर्मचारियों को असंतुलित लिंग अनुपात को सुधारने के लिए अधिक से अधिक जागरूकता बैठकों के आयोजन पर बल दिया।

17 को धूमधाम से मनाई जाएगी विश्वकर्मा जयंती

मंडी अटेली। विश्वकर्मा जयंती 17 अगस्त को अटेली में बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी। जानकारी देते हुए पार्षद अशोक कुमार जांगिड़ ने बताया कि जयंती के मौके पर शोभायात्रा एवं भव्य झांकी निकाली जाएगी। यह झांकी यात्रा विश्वकर्मा मंदिर से आरंभ होकर रेलवे रोड, नया बस स्टैंड, रेलवे फ्लाईओवर, ताजपुर गेट, पुरानी मंडी होते हुए जांगिड़ ब्राह्मण धर्मशाला में संपन्न होगी।

5वां गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, 200 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

गुर्जर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थी को आईएएस तक की पढ़ाई करवाएंगे: भड़ाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गुर्जर कल्याण परिषद की ओर से रविवार सिटी मैरिज पैलेस में पांचवां गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा के युवा व्यवसायी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामसिंह गुर्जर मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षा सूबेदार जयमल सरपंच ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रामसिंह गुर्जर एचं विशिष्ट अतिथिगण के साथ मिलकर संस्था के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ ने किया।

संस्था के स्थाई सदस्य समालखा विधायक मनमोहन सिंह भड़ाना की तरफ से घोषणा की गई कि कोई भी समाज का बच्चा जिसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और आईएएस की कोचिंग करना चाहते हैं, उनकी फीस मनमोहन सिंह भड़ाना वहन करेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सेंट्रल यूनिवर्सिटी से डॉ. सिंगार सिंह, डॉ .रणवीर खटाना (सीयू), डॉ. कैलाश गुर्जर (सीयू), रामवीर गुर्जर (सीयू), एसीपी राजेश चेची, डॉ. अंजू रावत, कैप्टन महेंद्र बागोत, पूर्व निरीक्षक जगदीश चंदेला, वीर गुर्जर विकास समिति अध्यक्ष प्रोफेसर रामनिवास, छात्रावास नीमकाथाना अध्यक्ष छीतर गुर्जर, केआर रावत, भारत भूषण गुर्जर एडवोकेट, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के अध्यक्ष सुंदर चौधरी, राजेश रावत व राजेश खटाना रहे।

इस वर्ष 12वीं कक्षा में द्वितीय स्थान प्रिया पुत्री मुकेश कुमार निवासी इस्लामपुर रही एवं तृतीय स्थान अनीता पुत्री मंगल राम निवासी भेड़टी रही। 10वीं कक्षा में ही द्वितीय स्थान पर वेदप्रकाश पुत्र कुलदीप सरपंच निवासी अमरपुरा एवं तृतीय स्थान पर मनीष पुत्र शीशराम धनी पटवारी रहे। एनईईटी परीक्षा में 525 से अधिक लेकर एकबीबीएस में प्रवेश पाने वालों में अनुज पुत्र शीशराम निवासी जैलाफ, दिया पुत्री हवा सिंह एएसआई निवासी कोका जिसका एडमिशन एआईआईएमएस जम्मू एवं रेहाना पुत्री लीलाराम निवासी पाचनोता का एआईआईएमएस भटिंडा में एडमिशन होने पर सम्मानित किया गया। जिसमें रेसलिंग में खेलो इंडिया गेम्स में ब्रांच मेडल प्राप्त करने वाली नचिता और रोप स्किपिंग नेशनल लेवल पर शामिल होने पर नाव्या पुत्री राजेंद्र रावत निवासी नियामतपुर को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में करीब 200 प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया। गुर्जर कल्याण परिषद द्वारा प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं नगद राशि भेंट कर सम्मानित किया।

नारनौल। प्रतिभाओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथ व अन्य। फोटो :हरिभूमि

यह मिला सहयोग, इन्हें किया सम्मानित

जीकेपी के सक्रिय सदस्य श्रीचन्द्र पटेल ने संस्था को पूर्व में 62000 रुपये का सहयोग किया और अब पुनः 2,22,000 रुपये दो कमरों की राशी की घोषणा की। सक्रिय सदस्य महावीर पहलवान बागोत ने 101000 रुपये का चैक सौंपा। रेलवे कोच महावीर पहलवान निवासी बागोत ने 11000 रुपये भेट कर जीकेपी की स्थाई सदस्यता ग्रहण की। जीकेपी संस्था के सक्रिय सदस्य कृष्ण मास्टर खरौली, ओमप्रकाश रावत निवासी ढाणी चिमा वाली, सूरत कोच बलाना, राजवीर गुर्जर केएल स्कूल इस्लामपुरा, मुकेश प्रिंसीपल नियामतपुर, श्योराम मास्टर, मुकेश खटाना, डॉ रामपाल, कैप्टन रामप्रकाश शामिल रहे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ रामपाल ने किया।

शिक्षा ग्रहण करने में नहीं आने दी जाएगी आर्थिक तंगी

इस अवसर पर कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने संस्था की तरफ़ से घोषणा की है जिले में समाज का कोई भी बच्चा जिसके माता पिता उसकी पढ़ाई का खर्च वहन नहीं कर सकते और बच्चा पढ़ना चाहता है उसकी पढ़ाई का सारा खर्च गुर्जर कल्याण परिषद वहन करेंगी और किसी भी समाज के बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इसी कड़ी में संस्था के स्थाई सदस्य समालखा विधायक मनमोहन सिंह भड़ाना की तरफ से घोषणा की गई कि कोई भी समाज का बच्चा जिसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और आईएएस की कोचिंग करना चाहते हैं, उनकी फीस मनमोहन सिंह भड़ाना वहन करेंगे। संस्था की तरफ से गुर्जर कल्याण परिषद के सचिव उमराव सिंह चंदेला द्वारा आभार प्रकट किया। इस मौके पर हैफेड के पूर्व डीएम संतराम सिराधना एवं श्योरम मास्टर ने भी मुख्य भूमिका निभाई।

इन प्रतिभागओं को किया सम्मानित

गुर्जर कल्याण परिषद ने इस प्रतिभा सम्मान समारोह में 12वीं कक्षा में अनुज पुत्र शीशराम ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को सम्मानित किया। अनुज ने एनईईटी में भी 574 अंक प्राप्त कर एमबीबीएस में पीजीआई रोहतक में एडमिशन प्राप्त किया है। कक्षा 10वीं में समीक्षा पुत्री देशराज निवाशी मौसनूता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला महेंद्रगढ़ के गुर्जर समाज के प्रतिभावान छात्र–छात्रा, जिन्होंने 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक वर्ष 2024–2025 में प्राप्त किए हैं और एनईईटी परीक्षा में 2025 में 525 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। अन्य विशिष्ट शिक्षण संस्थान में प्रवेश पाया है और अन्य विशिष्ट परीक्षा जैसे नीट, जेईई मेंस, नेट, गेट, सैनिक स्कूल, नवोदय, ओलंपियाड में पोजिशन और स्पोर्ट्स में भी नेशनल/स्टेट में पोजीशन प्राप्त की है, को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

नारनौल। शुभारंभ करते कैबिनेट मंत्री रणवीर सिंह गंगवा। फोटो :हरिभूमि

कैबिनेट मंत्री पहुंचे छोटा स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल।

शहर के मोहल्ला मोती नगर सेक्टर एक के पास स्थिति में छोटा स्कूल में रविवार को कैबिनेट मंत्री रणवीर सिंह गंगवा पहुंचे और रिबन काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव, पूर्व मंत्री डॉ अभय सिंह यादव, पूर्व आईएएस अधिकारी आरएस वर्मा, भिवानी के मनमानचंद, बीपीएचओ संस्थापक सदस्य रमेश टैंक और बीपीएचओ के प्रदेश कोषाध्यक्ष गोविंद के अलावा अनेक लोग मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य मंत्री रणवीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के छोटे स्कूलों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। यहां पर बेसिक रूप से बच्चों को शिक्षा दी जाती है जो पूरी जिंदगी उनके काम आती है इसलिए ऐसी संस्थाओं में ही हमें अपने छोटे बच्चों को डालना चाहिए ताकि वह अच्छे संस्कार और शिक्षा सीखें। विद्यालय के अध्यक्ष दीपक कुमार वर्मा तथा प्राचार्य डॉ रेखा वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजन किए गए। कार्यक्रम में प्ले स्कूल एसोसिएशन के सदस्य भी मौजूद रहे।

चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़। युवा इंकलाब संगठन के तत्वावधान में पौधारोपण किया गया। इस दौरान नगर पालिका सचिव गौरव सांगवान ने कहा कि पर्यावरण जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं। सरकार की तरफ से पर्यावरण को बचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें स्वच्छता व पौधारोपण के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा इंकलाब संगठन का यह सराहनीय कदम है। हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए, ताकि बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगा सके। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत हैं। इस मौके पर संगठन सचिव अमरजीत रिवासा, नगर पालिका जेई नवदीप, बार पूर्व प्रधान नरेंद्र सिंह राव, सूरत सिंह चेयरमैन, देवेंद्र, राकेश आदि मौजूद थे।

आरआरसीएम कनीना के छात्र आर्यन का राज्य स्तरीय हॉकी टीम में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

आरआरसीएम पब्लिक स्कूल कनीना के कक्षा छठी के प्रतिभाशाली छात्र आर्यन ने जिला स्तरीय अंडर 14 हॉकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय हॉकी टीम में स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। राज्य टीम में चयन के बाद जब आर्यन स्कूल लौटे, तो उनका विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया गया। चेयरमैन रोशनलाल ने आर्यन को पुरस्कार भेंट कर पदक पहनाया और उनकी सफलता की सराहना की। इस सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य हरीप्रकाश शर्मा व कोच मुकेश डीपीई विशेष रूप से उपस्थित रहे।

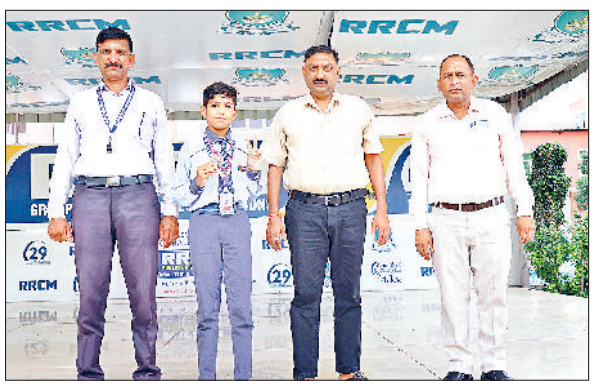

कनीना। छात्र आर्यन को सम्मानित करता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

प्रधानाचार्य शर्मा ने कहा कि आर्यन की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव की बात है और यह अन्य छात्रों को भी खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। कोच मुकेश डीपीई ने आर्यन की मेहनत, अनुशासन व लगन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सफलता उसकी निरंतर मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।

किसानों के हितों के लिए 5 को एसडीएम कार्यालय पर होगा धरना प्रदर्शन

नारनौल। लगातार हो रही भारी बरसात से खेतों में जलभराव के कारण कपास तथा बाजरा की फसलों में हुए नुकसान का मुआवजा देने तथा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग को लेकर लोगों में रोष है। इसी वजह से बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्त्ता आगामी पांच सितम्बर को कनीना एसडीएम कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल करेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए बहुजन समाज पार्टी के किसान सैल के जिला महामंत्री राजेन्द्र यादव ने कहा कि जिला के सैंकड़ों गांवों के किसानों की कपास तथा बाजरा की फसलें खेतों में बरसाती पानी जमा होने के कारण खराब हो गई हैं। परन्तु सरकार ने अभी तक महेन्द्रगढ़ जिला के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खोला है। सरकार ने सिरसा, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक, रेवाड़ी, पलवल, कुरूक्षेत्र, यमुनानगर, झज्जर, फतेहाबाद और नूंह 12 जिलों के लिए ई-क्षति पूर्ति पोर्टल 10 सितम्बर तक खोल दिया है।

सरकार फसल खराबा का मुआवजा देने तथा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने में महेन्द्रगढ़ जिला के किसानों के साथ भेदभाव कर रही है। ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल न खोलने के कारण जिला के किसान फसल खराबा की रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करने से वंचित हो गए हैं। इससे उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ने तत्काल ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खोला तो बसपा कार्यकर्ता पांच सितम्बर को उपमंडल अधिकारी नागरिक कनीना कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में मॉडर्न स्कूल भोजावास ने जीते 10 पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं 11 अगस्त से 30 अगस्त तक आयोजित करवाई गई थी। यह जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं जिले के अलग अलग विद्यालयों में आयोजित करवाई गई थी। इनमें मॉडर्न स्कूल भोजावास के विद्यार्थियों ने 10 स्थान प्राप्त किए। अंडर 14 डिस्कस थ्रो में जीवितेश पुत्र हवासिंह ने प्रथम, अंडर 14 शॉटपुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 ऊंची कूद में हिमांशु पुत्र भूप सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। खंड कनीना की अंडर 19 कबड्डी टीम में मॉडर्न स्कूल की छात्रा नेहा पुत्री बिजेंद्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ये तीनों विद्यार्थी राज्य स्तर पर होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में मॉडर्न स्कूल भोजावास की ओर से जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इसी प्रकार अंडर 11 की 400 मीटर दौड़ में हिमानी पुत्री धर्मवीर ने तीसरा, अंडर 19 ऊंची कूद में दीपक पुत्र संजीव कुमार ने तीसरा, अंडर 19 ट्रिपल जंप में आदित्य पुत्र ईश्वर ने तीसरा, खंड कनीना की अंडर 17 कबड्डी टीम में मॉडर्न स्कूल की छात्रा आरती पुत्री विक्रम व खुशबू पुत्री संजय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। खंड कनीना की अंडर 17 खो खो टीम में उत्तम पुत्र बाबूसिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संस्था के निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति के सदस्य मनोज कुमार आदि सम्मानित किया है।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

फसल खराब होने पर जेजेपी ने की किसानों को मुआवजा देने की मांग

नारनौल। बाजरा, मूंग, कपास, मकी, ज्वार ओर सब्जी भारी बरसात होने के कारण सौ फीसदी खराब हो चुकी है। खेतों में भारी मात्रा में पानी खड़ा होने के कारण खेतों में पड़ी फसलों में बदबू आने लगी है। किसानों का खेतों में जाना मुश्किल हो गया है। इस बदबू के कारण बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। इन बातों का हवाला देते हुए जननायक जनता पार्टी के जिला प्रधान राजकुमार खातोद एवं जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने प्रेस नोट जारी कर सरकार से किसानों को मुआवजा राशि देने की मांग की है। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा है कि किसानों के सामने पशु का चारा और गरीब का खाना बाजार के टोटे पड़ चुके हैं। महंगे भाव के बीज और भारी कीलत के बाद खाद मिलने पर किसान ने बड़ी मुश्किल से फसल तैयार की थी। हम सरकार से मांग करते हैं कम से कम 40000 एकड़ के हिसाब से किसानों को मुआवजा दिया जाए और किसानों के ट्रैक्टर की किस्त और जमीन के लोन और खाद बीज के लोन माफ किए जाएं। किसानों को आगे की फसल सरसों, गेहूं, जो, चना आदि फसलों के बीज और खाद बिल्कुल फ्री दिए गए। सरकार को समय से पहले बीज और खाद किसान केंद्र पर भेजने का कार्य करें। इस किसान विरोधी सरकार को पूंजीपतियों के साथ-साथ किसानों को खुशहाल करने की भी प्रावधान करना चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं कि स्पेशल गिरदावरी करवा कर तुरंत किसानों को 40000 प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाए।

भूपेंद्र हुड्डा व भाजपा आपस में मिले, इनेलो जनहित में आमजन के साथ खड़ी : अभय चौटाला

- 25 सितम्बर को पूरा हरियाणा पहुंचेगा रोहतक सम्मान दिवस रैली में : अभय सिंह चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने कहा कि 25 सितम्बर को जननायक प्रूव उप-प्रधानमंत्री स्व. चौधरी देवीलाल के 112 जयंती पर पूरा हरियाणा सम्मान दिवस मानाने रोहतक पहुंचेगा। चौटाला सोमवार नारनौल शहर में निमंत्रण देते हुए कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल सर्वमान्य नेता थे उनका सभी वर्ग तह दिल से सम्मान करते थे। उन्होंने जनहित के कार्य सभी के लिए बिना भेदभाव के किए थे।

अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो उन्ही के रस्ते पर चलकर जनता के हित के लिए हमेशा खड़ी रही है और आज विपक्ष की भूमिका कांग्रेस न निभा कर इनेलो विपक्ष की भूमिका में है। कारण, भूपिंदर सिंह हुड्डा और भाजपा आपस में मिले हुए है। प्रदेश की कानून वयवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकार का अपराधियों पर कोई नियंत्रण नहीं है। आए दिन हत्या, अपहरण व बलात्कार की घटनाएं हो रही है। युवाओं को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। किसानों को खाद बीज नहीं मिल रहा है।

नारनौल। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक, पूर्व विधायक रणबीर मंढोला, जसबीर सिंह ढिल्लो, सतबीर बडेसरा, आनंद श्योराण, पिंकी कोच, छोटेलाल गहली, नवनीत सिंह ढिल्लो, वेदप्रकाश नम्बरदार, धर्मपाल नम्बरदार, युवा जिला अध्यक्ष दीपक यादव, जय सिंह सैनी, सत्यनारायण गुप्ता, बिल्लू चेयरमैन, लाल सिंह तंवर, सतपाल उन्हाणी, सुरेश चौधरी, सतपाल छिलरो, महिला जिला प्रधान उर्मिला यादव, नरसिंह दायमा, मुकेश नंबरदार, सत्यनारायण सैनी, विजय सैनी एडवोकेट, जगदीश वर्मा, संजय सोनी गहली, अमर सिंह जांगड़ा, ज्ञानेश्वर निम्भल, जगदीश मानपुरा, भरपूर सिंह, रोशनलाल थाना, जोगिन्दर आदि मौजूद थे।

नगर पालिका कर्मचारियों ने चलाया स्वच्छता कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। नगर पालिका की ओर से सरकार द्वारा जारी 11 सप्ताह के हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत सोमवार को एक विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नगर पालिका सफाई कर्मचारियों ने शहर में सफाई अभियान चलाया। कर्मचारियों ने शहर में गंदगी व कूड़े के ढ़ेर उठाए गए। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों ने सड़क पर झाड़ू लगाकर स्वच्छ रहने की अपील की। नगर पालिका सचिव गौरव सांगवान ने कर्मचारियों को सभी नालों व गंदगी की सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी आपस में मिलकर काम करें, ताकि शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकें। उन्होंने नागरिकों से मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी की थीम पर सहयोग करने की अपील। सचिव ने कहा कि आमजन की भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी जरूरी है, क्योंकि स्वच्छता के लक्ष्यों को पाने के लिए आमजन की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता के संदेश को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। इस अभियान के तहत मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी की थीम को लेकर हम सबको अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है।

सूचना

मैं, सुखविन्दर सिंह पुत्र श्री श्रवण सिंह गांव मित्रपुरा, तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र हर्ष प्रित सिंह अपनी मनमर्जी करता है। ना ही मेरी सेवा करता है। मैं मेरे पुत्र हर्ष प्रित सिंह को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में कोई भी उससे लेन देन व संबंध रखता है तो स्वयं जिम्मेवार रहेगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पृथ्वीपुरा में गन्दे पानी के नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने से खेत में घुसा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

खण्ड के गांव पृथ्वीपुरा में गन्दे पानी की निकासी के लिए बनाए गए मुख्य नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी किसान के खेत में जमा हो रहा है, जिसके चलते बाजरे की फसल भी बर्बाद हो गई। वहीं अगली फसल की भी बिजाई से वंचित होना पड़ रहा है।

किसान अमर सिंह डीपी व पूर्व सरपंच मोहनलाल, पूर्व चैयरमेन सुमेर सिंह ने बताया कि गांव की आबादी लगभग 2500 से अधिक है, जिसका गन्दा पानी गौचर भूमि में बने जोहड़ में जाता है, लेकिन पिछले तीन महीनों से मुख्य नाले की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। ऐसे हालात में गन्दे पानी का जमावड़ा बाजरे की फसल में हो रहा है।

पानी के जमावड़े के कारण एक एकड़ कृषि भूमि की फसल पूर्ण रूप से बर्बाद हो गई।

साथ में अगली फसल की बिजाई से भी वंचित होना पड़ेगा। उक्त लोगों ने गन्दे पानी का जमावड़ा अधिक समय तक होने के कारण दुर्गंध आने लगी है तथा मक्खी मच्छरों का प्रकोप भी लगातार बढ़ने लगा है। पानी निकासी का मुख्य नाला होने के कारण दिन रात पानी चलता रहता है।

मंडी अटेली। पृथ्वीपुरा के खेत में जमा पानी को दिखाते हुए।

किसान की परेशानी बिल्कुल सही

वहीं पृथ्वीपुरा सरपंच प्रतिनिधि अशोक कुमार ने बताया कि किसान की परेशानी बिल्कुल सही है। उसके खेत में नुकसान हो गया, लेकिन बरसात के कारण नाले की टूटी दीवार का निर्माण नहीं किया जा रहा। बरसात रुकने के बाद समय रहते नाले को दुरुस्त किया जाएगा, जबकि किसान के खेत में जमा पानी को कल्टीवेटर से निकाला जाएगा।

36 साल सेवा समर्पित करने के बाद जीआरपी के इंस्पेक्टर सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बनिहाड़ी निवासी इंस्पेक्टर देशराज जीआरपी नारनौल से रिटायर्ड हो गए हैं। उन्होंने करीब 36 साल 8 महीने तक पुलिस को अपनी सेवाएं समर्पित की। वह 1989 में हरियाणा पुलिस में बतौर कांस्टेबल भर्ती हुए थे तथा अब इंस्पेक्टर बनकर सेवानिवृत्त हुए हैं। उनकी सेवानिवृत्ति पर जीआरपी रेलवे स्टेशन पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसे संबोधित करते हुए डीएसपी राजेश कुमार ने कहा कि अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से निभाना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है। देशराज इस कार्य में खरे उतरे हैं तथा वह अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत की तरह काम करेंगे। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन सत्यपाल दहिया, रेवाड़ी जीआरपी के एसएचओ देवेंद्र सिंह, नारनौल जीआरपी के एसएचओ कैलाश चंद शर्मा, पूर्व इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह, अंबाला से सब इंस्पेक्टर कमल कुमार, रिटायर्ड इंस्पेक्टर बलवान सिंह, देशराज की पत्नी माया देवी, सोमदत्त, दिनेश, राजेश, संदीप, मोतीलाल व नीरसिंह आदि मौजूद थे।

नारनौल। इंस्पेकटर देशराज को सम्मानित करते डीएसपी राजेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

ग्राम पंचायत खैरोली
ब्लॉक - महेन्द्रगढ़ (जिला महेन्द्रगढ़) हरि. 123028
सरपंच - नीरज सोकल
मो. 9311702240, 9868717383

सूचना

ग्राम पंचायत खैरोली में S.C. चौपाल कंडम घोषित की जा चुकी है। जिसका एस्टीमेट भी विभाग द्वारा तैयार कर लिया गया है। अतः अब पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने के बाबत ठेकेदार आमंत्रित है, जो पुराने भवन को तोड़कर जगह साफ करके दे सके ताकि उस जगह नया भवन बनाया जा सके। जिसका Reserve Amount 30000 है। बोली की तारीख 05 सितम्बर 2025 रखी गयी है। सुबह 10 बजे। अतः जो भी ठेकेदार या कबाड़ी इस कार्य को करने के इच्छुक हो 5 Sept. 2025 सुबह 10 बजे पचायत घर खैरोली पहुंचे।

हस्ता/- नीरज सोकल
ग्राम पंचायत खैरोली (महेन्द्रगढ़)

ठेकेदार को पेमेंट नहीं करने से रुका सामुदायिक भवन का काम

आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है सामुदायिक भवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर पालिका द्वारा बनाया गया सामुदायिक भवन। फोटो : हरिभूमि

ठेकेदार की पेमेंट रूकने से इन दिनों सामुदायिक भवन का काम रूका हुआ है। नगर पालिका की ओर से इस सामुदायिक भवन का निर्माण 2.62 करोड़ रुपये की लागत से करवाया जा रहा है। ठेकेदार की ओर से अभी तक भवन का 95 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका हैं। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष का कहना है कि ठेकेदार की जल्द पेमेंट जारी कर काम पूरा करवाया जाएगा। बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल 2.62 करोड़ रुपये से बनने वाले शहर के एकमात्र सामुदायिक भवन का निर्माण सब्जी मंडी के पास किया जा रहा है। शहर की सब्जी मंडी के पास निर्माणधीन सामुदायिक भवन का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अब सिर्फ पांच प्रतिशत ही काम रूका हुआ है। शहर की 50 हजार की आबादी के लिए एकमात्र सामुदायिक भवन का निर्माण पांच मई 2022 को शुरू किया गया था।

बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से शहर की सब्जी मंडी के नजदीक लोगों की सुविधा के लिए सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की थी। ठेकेदार की ओर से पांच मई 2022 को निर्माण कार्य शुरू किया गया था। 95 प्रतिशत कार्य पूरा होने के बावजूद भी ठेकेदार को कुछ पेमेंट रूकी हुई है। ठेकेदार की ओर से सामुदायिक भवन में छोटे-छोटे काम छोड़कर सभी काम पूरा किया जा चुका हैं। इसके अलावा भवन पर रंग-पेंट, लाइट, खिड़की-दरवाजे का भी काम किया जा चुका हैं।

जल्द की जाएगी पेमेंट

सब्जी मंडी के पास नगर पालिका की ओर से 2.62 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़ा सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा हैं। ठेकेदार की ओर से 95 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका हैं। ठेकेदार की कुछ पेमेंट बाकि हैं, जल्द पेमेंट जारी कर शहरवासियों को भवन सुपुर्द किया जाएगा।

– रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका, महेंद्रगढ़

शहरवासियों को यह मिलेंगी सुविधाएं

सामुदायिक भवन में तीन बड़े कमरे, एक बड़ा हॉल, जिसमें 500 से अधिक लोग एक साथ बैठ सकें। एक बड़ा किचन बनाया हुआ है। ऊपर जाने के लिए दोनों तरफ सीढ़ियां लगाई गई हैं। प्रत्येक में अलग से शौचालय की सुविधा भी है। इसके अलावा आमजन के लिए एक सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग व्यवस्था की भी व्यवस्था की गई है। शहरवासियों को छोटे-मोटे सामूहिक आयोजनों के लिए निजी समारोह स्थलों की ओर देखना पड़ता है। इसके लिए उन्हें भारी भरकम राशि भी खर्च करनी पड़ती है। सामुदायिक भवन का महज पांच प्रतिशत ही निर्माण शेष है। वर्तमान में सामुदायिक भवन के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ है। ठेकेदार की बकाया पेमेंट का भुगतान होते ही कार्य शुरू किया जाएगा।

ऊंची भांडोर में सात सितंबर तक लगेगा पशु मेला

महेंद्रगढ़। गांव ऊंची भांडोर में सात सितंबर तक भव्य पशु मेले का आयोजन किया जाएगा। सरपंच प्रतिनिधी बिरेंद्र सिंह व नम्बरदार रणधीर प्रजापत ने बताया कि मेला महेंद्रगढ़–अटेली मार्ग पर स्थित गांव की बणी में आयोजित होगा और अब यह मेला प्रतिवर्ष दो बार लगाया जाएगा। मेले में आने वाले पशुपालकों के लिए गांव की ओर से मुफ्त बिजली, पानी और चारे की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही गाड़ी से पशु उतारने और चढ़ाने की सुविधा भी निःशुल्क रहेगी। पशुओं की छपाई प्रक्रिया चार सितंबर से शुरू होगी। छपाई शुल्क के तौर पर खरीददार से एक हजार रुपये और विक्रेता से 100 रुपये लिए जाएंगे। तारीखों में बदलाव भी किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

ट्रेन ठहराव को लेकर रेलमंत्री को लिखा पत्र

महेंद्रगढ़। भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव ने महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रेलवे की मांग को लेकर रेलमंत्री अश्वनी वैष्णवा को लिखित पत्र भेजा हैं। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि उनका विधानसभा क्षेत्र बहुत बड़ा है और यहां पर अमृत स्टेशन का दर्जा मिला हुआ है तथा महेंद्रगढ़ शहर के आस-पास छोटे-छोटे कई शहर लगते हैं।

किसानों की ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग

कनीना। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को लेकर खराब हो रही खरीफ की फसल को लेकर चिंतित किसानों ने सरकार से ई-क्षतिपूर्ति पोर्ट खोलने की मांग की है। इस बारे में किसानों राजेंद्र सिंह, नरेंद्र कुमार, योगेश कुमार, सूबे सिंह, सुभाष चंद्र, अभेसिंह, शिवकुमार ने उपायुक्त के नाम के ज्ञापन नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल को सौंपा।

अगस्त में 3215 वाहनों के किए चालान

नारनौल। जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों के चालान किए गए। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा यातायात नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। डीएसपी के नेतृत्व में अभियान चल रहा है।

पिछले दो दिनों में लगभग 70 एमएम बरसात से चहुंओर पानी-पानी

बार-बार बरसात होने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित, लोग हो रहे परेशान

बार–बार बरसात होने से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के निचले इलाकों में इन दिनों जबरदस्त जलभराव बना हुआ है। पानी कई जगहों पर एकत्रित होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। धौबी जोहड़ की समीप जलभराव में मकान के बाहर बैठा परिवार व ढींढासर मंदिर के पास भरा पानी व नहर के पास बनी कॉलोनी की गली में भरा पानी। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र में आजकल इंद्रदेव पूरी तरह से इतराये हुए नजर आते हैं, क्योंकि दिन–रात जब देखो, बरसात आती ही रहती है। पिछले लगभग 10–12 दिनों से तो आलम यह बना हुआ है कि बरसात कभी भी आ जाती है। इससे लोगों को परेशानी होने लगी है। दिहाड़ीदार मजदूरों से लेकर दुकानदारों तक का कामकाज एवं रोजीरोटी प्रभावित हो रही है। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि जेब में खर्ची नहीं होने की स्थिति में वह घर खाली हाथ जाएं या क्या करें। मजदूरों के घरों में राशन खत्म हो रहा है, लेकिन बरसात के कारण काम नहीं मिलने से आमदनी नहीं हो। इसके साथ जगह–जगह जलभराव होने से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है, क्योंकि आजकल किसानों को फसलों के लिए बरसात की कोई आवश्यकता नहीं रही है और वह भी चाहते हैं कि अब तो रामजी रूक जाए तो बाजरे की कटाई करें और फसल सकुशल अपने घर लेकर जाएं, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। पिछले एक पखवाड़े में बमुश्किल बरसात एक या दो दिन ही रूकी है, लेकिन धूप खिलने के बाद फिर बरसात आ जाती है। बीते रविवार शाम को शुरू हुई बरसात रात तक जारी रही और पिछले दो दिनों में लगभग 70 एमएम बरसात हो गई। बार–बार बरसात गिरने से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के निचले इलाकों में इन दिनों जबरदस्त जलभराव बना हुआ है। पानी कई जगहों पर बार–बार एकत्रित होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिनक गली मोहल्लों क गलियां कच्ची हैं, उन लोगों का तो बेहद बुरा हाल है। उनको घरों से बाहर निकलने को जगह नहीं मिल रही है। कई मोहल्लों में लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। नारनौल शहर में मोहल्ला रावका में व्यास जी की हवेली वाली गली जलभराव के मामले में काफी कुख्यात है।

नहीं मिल रहे वाहन

मनु नगर निवासी धर्मपाल शर्मा ने बताया कि मेहनत मजदूरी करने वाले लोगों के पास कोई वाहन भी नहीं होता है। वे अगर एक दिन भी कम पर नहीं गए तो सायंकाल परिवार के लिए रोटी का प्रबंध करना बड़ा मुश्किल हो जाता है। उन्होंने प्रशासन से जनरेटर व जेसीबी मशीनें लगाकर पानी निकालने का आग्रह किया, ताकि नई सराय व मनु नगर के लोगों का जीवन यापन करना आसान हो जाए। सीएल स्कूल के भी पीछे और हुडा फेज 2 के साथ लगता हुई मॉडल सोसायटी में 3–6 फुट तक पानी जमा है। पानी मे सुबह सांप भी तैरते देखा गया। मच्छर आदि भी पनप रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से पानी निकालने की व्यवस्था की करने की मांग की है।

कॉलोनियां जलमग्न

इसी प्रकार पुरानी कचहरी के पास महर्षि भार्गव चौक, सीआईए रोड, धौबी जोहड़, रविदास मंदिर मार्ग से सिटी मैरिज पैलेस की ओर जाने वाला रास्ता, नहर कॉलोनी के पीछे बनी नई कॉलोनी, मोहल्ला खड़खड़ी व श्याम कॉलोनी शामिल हैं। रेवाड़ी रोड कैलाश नगर में सीएल फार्म के पास नई कॉलोनी बसी हुई है तथा कई सत्ताधारी नामी लोग यहां रहने लगे हैं, लेकिन नॉन अप्रूव्ड का पेंच फंसने से गली कच्ची है, जिसमें बरसात से भारी कीचड़ बना है। ऐसे लोग घर के बाहर एक कदम भी नहीं रख पा रहे। शहर के मोहल्ला महल, ढींढासर, मनु नगर, बाल भवन के पीछे बनी श्याम कॉलोनी, नहर कॉलोनी के पीछे बनी कॉलोनी, सैन चौक, पार्क गली, नगर परिषद के पास, नई कचहरी के पीछे बनी कॉलोनी भी बुरी तरह से जलभराव ग्रस्त हैं।

शहर में जल निकासी के नहीं हैं पुख्ता प्रबंध

नगर परिषद नारनौल के अधिकारियों ने शहर को बाढ़ व आपदा से बचाने के लिए पहले से कोई भी प्रबंध नहीं किया हुआ है। सिंघाना रोड नहर के पास बनी कालोनी में बिशन शर्मा के घरों में और आसपास पानी लबालब भरा हुआ है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है, लेकिन नगर परिषद और जिला प्रशासन सांप निकलने के बाद लकीर पीटने निकलने हुए नजर आते हैं। निजामपुर रोड स्थित सिटी मैरिज प्लेस से ढिंढासर धर्मशाला नई सराय की ओर जो सड़क जाती है, उस सड़क पर दो-दो फुट पानी भरा हुआ है।

डीसी कार्यालय के रिकार्ड रूम में बह रही टॉयलेट की गंदगी

नारनौल। उपायुक्त कार्यालय के रिकॉर्ड रूम में इन दिनों टॉयलेट (पेशाबघर) की गंदगी बहती रहती है। इससे कार्यालय का माहौल नरक बना हुआ है। गंदगी से यहां के कर्मचारी एवं यहां आने वाले लोग परेशान हैं। हालात ऐसे खराब हैं कि अक्सर कर्मचारी कार्यालय छोड़कर बाहर निकल जाते हैं, इस कार्यालय में दिनभर वकील, मुंशी एवं पुराना रिकार्ड लेने आने वाले लोग आते रहते हैं। बताया जाता है कि पिछले एक सप्ताह से यहां कोई कर्मचारी नहीं बैठ रहा, जबकि वह इसकी शिकायत अधिकारियों से कर चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही।

रोडवेज बस का समय सही करवाने को लेकर विधायक से की मुलाकात

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायत व सामाजिक संगठनों ने रोडवेज बस का समय सही करवाने को लेकर विधायक कंवर सिंह यादव को एक लिखित ज्ञापन सौंपा। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया कि महेंद्रगढ़ से वाया बवानिया, भोजावास, कुंड, रेवाड़ी, बेवल, राता बस का समय ठीक किया जाएं। जनहित सुविधा को देखते हुए चार विधानसभा क्षेत्र, महेंद्रगढ़, अटेली, कोसली, बावल के 50 गांव के लोग अपनी रोजी–रोटी के लिए सुबह-शाम बसों से धारूहेड़ा, रेवाड़ी, बावल, मानेसर, दिल्ली व गुरूग्राम आदि शहर में कार्य के लिए आवागमन करते है। उन्होंने बताया कि नारनौल व रेवाड़ी डिपो ने 10 वर्षों से चल रही बसों का रूट बदलने से लोगों को रेवाड़ी पहुंचने में लगभग 30 मिनट अधिक समय लगता हैं। महेंद्रगढ़ बस स्टैंड से बवानिया, कुंड, रेवाड़ी जाने वाली बस को पहले की तरह बाजार के बीच से मसानी चौक होते हुए चलाई जाएं, क्योंकि माजरा फाटक पर रेलवे विभाग द्वारा अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

चेयरपर्सन व अधिकारियों ने किया शहर का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। शहर का निरीक्षण करते डीएमसी व चेयरपर्सन। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा स्वच्छता अभियान 2025' के तहत मानसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने सोमवार शहर का दौरा किया। इस दौरान नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी भी मौजूद थी।

उन्होंने अधिकारियों को तुरंत जल निकासी व्यवस्था सुधारने और ऐसी योजनाएं बनाने का निर्देश दिया ताकि भविष्य में यह समस्या दोबारा न हो। डीएमसी ने जन स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों को सभी नालों और सीवरेज लाइनों की समय पर सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जरूरत पड़ने पर नई जल निकासी प्रणालियां बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी आपस में मिलकर काम करें ताकि शहर की जल निकासी व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

गगन सैनी का धरना तीसरे दिन भी रहा जारी

महेंद्रगढ़। सैनी सभा प्रशासक व जिला रजिस्ट्रार की ओर से समाज के एक वर्ग को चुनाव में शामिल नहीं करने के विरोध में शहर वार्ड नंबर तीन वासी गगन सैनी का आमरण अनशन तीसरे दिन भी जारी रहा। अनशनकारी की हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। अनशनकारी गगन सैनी ने कहा कि प्रशासन की ओर से एक अनशनकारी को आवारा पशु समझकर अनदेखा किया जा रहा है। एक इंसान को न्याय पाने के लिए आमरण अनशन पर बैठना पड़ रहा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सैनी सभा प्रशासक व जिला रजिस्ट्रार ने सोसाइटीज एक्ट 2012 के कानून को नहीं मानते व तानाशाही रवैया अपनाते हुए समाज के एक बड़े वर्ग करीब 1775 लोगों को चुनाव मे शामिल नहीं किया।

खबर संक्षेप

मंगोलिया में चल रहे अंडर-16 एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे सोहड़ी के इंशात सिंह

सतनाली मंडी। खंड सतनाली के गांव सोहड़ी के सेना से सेवानिवृत हवलदार व राष्ट्रपति के अंगरक्षक रहे भीम सिंह के पुत्र इंशात सिंह का एशिया कप में लिए भारत की बॉस्केटबॉल की अंडर- 16 टीम में चयन हुआ है जो वर्तमान में मंगोलिया में चल रहे अंडर-16 एशिया कम में खेल रही है। भीम सिंह ने बताया कि इंशात सिंह को कड़ी मेहनत से भारत की टीम में खेलने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि एशिया कप में खेलना इंशात सिंह का सपना था और इसके लिए उन्होंने दिन रात कड़ी मेहनत की है। उन्होंने बताया कि एशिया कम में भारत का अपने ग्रुप का मैच दो सितबर को बहरीन से होगा। वर्तमान में केन्द्र सरकार के अधीन सेवारत सोहड़ी वासी भीम सिंह ने बताया कि उनके पुत्र इंशात सिंह का एशिया कप के लिए भारत की बॉस्केटबाल की अंडर-16 टीम में चयन होने पर परिजनों में खुशी का माहौल है। उन्होंने बताया कि बताया कि उनकी दिल्ली में नियुक्ति थी जिसके चलते इंशात की पढ़ाई आदि दिल्ली में हुई और वे दिल्ली की ओर से खेल रहे हैं।

नर नारायण सेवा समिति का वार्षिक उत्सव 7 को

नारनौल। नर नारायण सेवा समिति की जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक बीएसएनएल एक्सचेंज कार्यालय के पीछे स्थित शिव मन्दिर में हुई। इसकी अध्यक्षता समिति प्रधान रामसिंह मधुर ने की। बैठक में सात सितम्बर को समिति के वार्षिक उत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर समिति प्रधान रामसिंह मधुर ने कहा कि सात सितंबर को यादव धर्मशाला में समिति का वार्षिक उत्सव मनाने की तैयारी के लिए विस्तृत से विचार विमर्श किया गया। इस वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग मौजूद रहेंगे। समारोह के अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी एडवोकेट राजकुमार यादव रातां करेंगे। वार्षिक उत्सव में समाजसेवी नेमीचंद जैन, अजीत प्रकाश जैन, गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट, वासुदेव यादव, विजय सिंह यादव और पवन कुमार यादव होंगे।

बुखार पीड़ित की संख्या बढ़ने पर नपा प्रशासन अलर्ट शहर के वार्डों में कराई फॉगिंग

नांगल चौधरी। शहर की विभिन्न अस्पतालों में बुखार पीड़ितों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। शिकायत मिलने पर नपा प्रशासन अलर्ट हो गया, रविवार को सभी वार्डों में फोगिंग कराई गई है। साथ ही जलभराव में लाल दवाई डाली गई है ताकि मच्छरों के प्रज्जन पर अंकुश लग सके। सचिव ललित गोयल ने बताया कि बरसाती मौसम में सार्वजनिक स्थानों पर कांग्रेस घास खड़ी हो गई है, साथ ही नालियों में जलाराव होना आरंभ हो गया। गदंगी में मच्छर उत्पन्न होने से शहर में मलेरिया फैलने की आशंका बढ़ गई। अस्पतालों में बुखार पीड़ितों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, इसके अलावा संक्रमित बीमारी से पीड़ति भी बढ़ने लगे हैं। पार्षदों की शिकायत मिलने पर रविवार को गर्ल्स कॉलेज, सीएचसी, पीएमश्री गर्ल्स स्कूल, पुलिस थाना, कटला मंडी, पटवार घर गली समेत सभी वार्डों में फोगिंग कराई गई है। नपा प्रशासन की टीम ने जलभराव में लाल दवाई डालकर मच्छरों के फैलाव को रोका है। उन्होंने बताया कि बारिश के दौरान मच्छर व अन्य किटाणू तेजी से पनपने लगते हैं जिनके प्रभाव से एलर्जी व संक्रमित बीमारी पनपने की संभावना बनी रहती है।

विवाद होने पर तीन दिन पहले ही कटाई रसीद

बाबा मुकुंददास गोशाला कमेटी के प्रधान ने दबाए रखे दूध के पैसे

निवर्तमान प्रधान कुलदीप ने नवगठित कमेटी को चार्ज सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

गोशाला की देनदारी दो लाख से अधिक पहुंच गई

नांगल चौधरी। गोशाला की कार्यकारिणी गठन और चार्ज को लेकर विचार व्यक्त करते प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

बाबा मुकुंददास गौशाला की नवगठित कमेटी ने अभी कार्यभार भी नहीं संभाला, उससे पहले प्रधान पर गौशाला के दूध के पैसे दबाने के आरोप सामने आया है। विवाद बढ़ने पर प्रधान ने तीन दिन पहले गौशाला में बकाया राशि जमा करवा दी है, साथ ही उन्होंने गायों के हित में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इसके बाद निवर्तमान प्रधान कुलदीप जेलदार ने नवगठित कमेटी को चार्ज सौंपा है। मीटिंग के दौरान कई बार गर्मागर्मी का माहौल बना किंतु प्रबुद्धजनों की मदद से विवाद को शांत कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक वर्तमान प्रधान रमेश सैनी गौशाला से दूध खरीदते थे, लेकिन हर महीने हिसाब नहीं किया। जिस कारण गौशाला की देनदारी दो लाख से अधिक पहुंच गई। कमेटी द्वारा उधार मांगने पर रमेश सैनी ने हाथ तंग होने का तर्क देकर तुरंत देने से इंकार कर दिया। अब करीब दो साल से गौशाला की देनदारी पेंडिंग ही बनी हुई है। इसी दौरान बीते रविवार को आनन-फानन में कमेटी ने बैठक बुलाई जिसमें करीब 30-40 लोगों की उपस्थित रही।

इसी मीटिंग में पुरानी कार्यकारिणी को भंग करके पुनर्गठन कर दिया, जिसमें रमेश सैनी को प्रधान की जिम्मेवारी सौंपी गई थी। नवगठित कार्यकारिणी पर विभिन्न गांवों के प्रबुद्धजनों ने एतराज जताया, कहा कि गौशाला से लगभग 84 गांव व ढाणियों के लोग जुड़े हुए हैं। इसलिए मीटिंग की सूचना प्रत्येक गांव तक पहुंचनी अनिवार्य थी, ताकि कमेटी के गठन में सर्वसम्मति बन सके। इन्ही विवादों के बीच में कमेटी के प्रधान पर दूध के रूपए बकाया होने का मामला उजागर हो गया, दूसरी तरफ रविवार को दुबारा मीटिंग बुलाकर चार्ज सौंपने की रूपरेखा बन गई। इस मीटिंग में पैसे बकाया होने का मामला उजागर होने का अंदेशा भांपकर कमेटी के प्रधान ने तीन दिन पहले ही पैसे जमा करवाकर रसीद कटवा ली। मीटिंग के दौरान गौशाला कमेटी पर अव्यवस्था के आरोप-प्रत्यारोप लगते रहे। इसके बाद कमेटी के कैशियर रहे पवन मित्तल ने चार्ज सौंपते हुए विकास कार्यों का लेखाजोखा प्रस्तुत किया है।

आर्थिक तंगी होने से नहीं दे पाया पैसे

कमेटी के नवनिर्वाचित प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि गौशाला से 6-7 साल तक दूध खरीदा था, कमेटी का मुनीम हर महीने हिसाब करके पैसे लेकर आता था। 2022 में आर्थिक तंगी होने के कारण पैसे नहीं दे पाया। कमेटी के मुनीम ने हिसाब करके दो लाख बकाया होने का हिसाब दिया था। उस दौरान मैने आश्वासन दिया था कि काम धंधा बढ़ते ही कुछ राशि बढ़ाकर गौशाला में जमा करवा दूंगा। अब मैने 2.31 लाख रुपये कमेटी को जमा करवा दिए हैं।